यूनियन बैंक
ऑफ इंडिया
भारत सरकार का उपक्रम

Union Bank
of India
A Government of India Undertaking

साइबर मायाजाल

डिजिटल अरेस्ट

जागरूक रहें, सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

अंक-2

हैलो, क्या मेरी बात अमन से हो रही है?
जी, मैं अमन बोल रहा हूँ, आप कौन ?
मैं साइबर पुलिस अधिकारी हूँ। तुम्हारा नंबर अवैध गतिविधियों में लिप्त पाया गया है।
कैसी गतिविधियाँ?
ड्रग्स की तस्करी के मामले में तुम्हारा नंबर ट्रेस किया गया है, तुम जाँच के दायरे में हो।
अगर तुम जाँच में हमारा सहयोग नहीं करोगे तो इसके गंभीर परिणाम तुम्हें झेलने पड़ेंगे। इसलिए तुम्हारे लिए यही बेहतर होगा कि हमारा सहयोग करो।
यह क्या कह रहे हैं आप? मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है, मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है!!

पुलिस को सब पता है। अगर तुम जेल नहीं जाना चाहते हो तो चुपचाप जैसा हम कह रहें हैं वैसा करो, वरना तुम्हें जेल में डाल दिया जाएगा।
नहीं, नहीं, मुझे जेल में मत डालिए। आप जैसा कहेंगे मैं वैसा ही करूंगा, मुझे जेल नहीं जाना।
ठीक है, जाँच प्रक्रिया फ़ोन पर ही शुरू कर दी जाएगी। अभी तुम्हें एक नंबर दिया जाएगा तुरंत उस पर वीडियो कॉल करो।
तुमसे जो कुछ पूछा जाएगा उसका सही-सही जवाब देना और किसी को भी इस बारे में बताने की गलती मत करना और न ही तुम किसी से मिल सकते हो।
लेकिन अभी कुछ देर में मुझे बाहर जाना है, मेरे दोस्त इंतज़ार करेंगे ...
हमने कहा न तुम्हें किसी से भी संपर्क करने की या मिलने की इजाज़त नहीं है!!
अच्छा ....

अमन वीडियो कॉल करता है।
है..हैलो..
सर, प्लीज़ मुझे बचा लीजिए, मैं बेकसूर हूँ, मैं जेल नहीं जाना चाहता। अगर मुझे जेल हो गई तो मेरी बदनामी हो जाएगी और मैं सरकारी नौकरी की परीक्षा कभी नहीं दे पाऊँगा...
हम नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो से हैं। अगर तुम सहयोग करोगे तो तुम सुरक्षित निकल सकते हो।
जी, आप बताइए मुझे क्या करना होगा –
अमन के दोस्त रक्षक और सुरक्षा, उसका इंतज़ार करते-करते थक जाते हैं, और उसके घर पहुँच जाते हैं।
टिंग टाँग....
U SuRKsha
U रKsha
ये अमन को क्या हो गया है ? न फ़ोन उठा रहा है, न मेसेज का जवाब दे रहा है और अब दरवाज़ा भी नहीं खोल रहा है..
आख़िर अचानक क्या हो गया इसे? सुबह तक तो ठीक था.. स्थिति कुछ ठीक नहीं लग रही है।
U SuRKsha
U रKshak
चलो, बालकनी की तरफ चलते हैं, क्या पता उधर से दरवाज़ा खुला हो ...
हाँ चलो ... जल्दी चलो ...
U रKshak
U SuRKsha

इस बीच
तुम्हें एक लिंक भेजा जाएगा उस पर फ़टाफ़ट अपने आधार, पैन का विवरण डालो। साथ ही एक खाता संख्या दिया जाएगा, उस पर 60,000 रुपये तुरंत भेजो।
दोनों चुपके से घर में घुसते हैं।
सर, क्या इसके बाद मैं बच जाऊँगा? क्या मैं बाहर जा सकूँगा? फिर से सिर उठाकर जी सकूँगा।
बातें कम करो और जल्दी राशि भेजो ...
रक्षक-सुरक्षा कमरे में घुसते ही अमन के हाथ से फ़ोन छीन लेते हैं।
U SuRKsha
U रKshak
यह तुम क्या करने जा रहे थे और ये पुलिस के भेस में कौन था? क्या तुम इसी वजह से हमारा फ़ोन नहीं उठा रहे थे?

हाँ, वो नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो से हैं .... तुम लोगों ने फ़ोन क्यों खींचा, वो मुझे जेल भेज देंगे। मेरा फ़ोन दो, देखो फ़ोन आ रहा है .... तुम लोग जल्दी जाओ यहाँ से, यहाँ पर खतरा है। कोई सुरक्षित नहीं है ... जाओ जाओ, वरना तुम लोग भी फंस जाओगे ...
U SuRKsha
शांत हो जाओ, किसी को कुछ नहीं होगा।
हाँ, तुम्हारे साथ स्कैम हुआ है। तुम्हें फंसाया जा रहा है। वो असली पुलिस नहीं है।
पर ..पर, तुम्हें कैसे पता ? उसने वर्दी पहनी थी, वो पुलिस स्टेशन में बैठा था...
वो उनका सेट-अप था, ताकि तुम्हें और तुम्हारे जैसे कई मासूम लोगों को अपने जाल में फंसा कर पैसे लूट सके।
U RKshak
पर, सब कुछ असली लग रहा था।

तुम्हारे साथ जो हुआ, उस स्कैम को 'डिजिटल अरेस्ट' यानी 'डिजिटल गिरफ्तारी' कहते हैं।
ये क्या होता है?
U SuRKsha
इसके कई तरीके हैं। एक वो जो तुम्हारे साथ हुआ। कई बार यह फ़ोन पर तुम्हें तुम्हारे प्रियजनों की आवाज़ भी सुनाएँगे ताकि सारी घटना तुम्हें सच लगे। और जैसे ही तुम उनके जाल में फंसे, ये तुरंत समाज में बदनामी से बचाने का झांसा देकर मोटी रकम ऐंठने की कोशिश करते हैं।
?
U SuRKsha
डिजिटल गिरफ्तारी एक प्रकार का साइबर स्कैम है। इसका कोई कानूनी प्रावधान नहीं है।
U RKshak
और हाँ, यह हमेशा ध्यान रखना कि विधि प्रवर्तन एजेंसियाँ जैसे – सीबीआई, एनसीबी आदि के साथ-साथ पुलिस भी कभी ऑनलाइन पूछताछ नहीं करती है।
और कभी भी पैसे की मांग नहीं करती हैं।
U RKshak
U SuRKsha

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सीसो कार्यालय के समन्वयन से राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग, मानव संसाधन विभाग, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई द्वारा प्रकाशित।

- चक्षु पोर्टल (https://sancharsaathi.gov.in/sfc/): पिछले 30 दिनों के भीतर कॉल/ व्हाट्सप्प/ एसएमएस के माध्यम से प्राप्त किसी भी संदिग्ध धोखाधड़ी संचार को रिपोर्ट करें।
- साइबर धोखाधड़ी/अपराध संबंधी अधिक जानकारी हेतु बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in के अंतर्गत 'कस्टमर कॉर्नर' में 'साइबर सुरक्षा' पर जाएँ।
- धोखाधड़ी युक्त या विवादास्पद लेनदेन के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया हेल्पलाइन नं. 1800 2222 43(टोल फ्री)1800 2333 पर संपर्क करें।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

अच्छे लोग, अच्छा बैंक Good people to bank with